आज का पुरुषार्थ 30 July 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *" हमें सम्पूर्ण बनना है .. भगवान के बच्चे है हम .. इस गोल्डन ऑपरच्युनिटी का लाभ उठायें "*

हम सभी इस **सृष्टि** में सबसे अधिक **भाग्यवान**, **रॉयल कुल के, ब्राह्मण कुल के, देवकुल की महान आत्मायें है।**

हमें नशा होना चाहिए कि हमारी माँ प्रजापिता ब्रह्मा और बाप निराकार **शिव** है, प्यार का सागर है। दोनों की पालना में हम पलते है।

अगर हमें इस ब्राह्मण जीवन का नशा और उसकी **स्मृति** और **परमात्म पालना** का ख्याल रहे, हम याद रखें तो हमारे जीवन में अनेक तरह की रॉयल्टी आ जायेगी।

छोटे विचार, छोटी दृष्टि, निगेटिव दृष्टि, परेशान रहना यह सब छुट जायेगा।

अगर कोई परेशान रहता है, अगर किसी में अभी तक भी बुरे संस्कार है, विकारों के संस्कार है तो समझ लेना चाहिए उन्हें अभी **ब्राह्मण पन** की खुशी और नशा हुआ नहीं है।

हमारा यह जन्म सम्पूर्ण रूप से अलौकिक है। हमारी दृष्टि अलौकिक, **बोल** भी सबसे न्यारे, हमारे **विचार** सबसे महान, हमारी **धारणायें** पवित्रता पर आधारित।

हमारे जन्म ब्राह्मण कुल में हुआ। स्वयं भगवान ने हमें जन्म दिया है। और जन्म लेते ही भाग्य की श्रेष्ठ रेखायें खींच दी है।

कोई बच्चा किसी बड़े कुल में जन्म ले, **राजाई कुल** में जन्म ले तो कहा जाता है बड़ा भाग्यवान है। और हमने जन्म लिया है ईश्वरीय कुल में।

तो सोचो हमसे अधिक **भाग्यवान** भला इस सृष्टि पर कौन होगा? अपने इस स्वमान के साथ कि ..

" हम प्रभु पालना में पाल रहे है .. भगवान हमारा ख्याल रखता है .. वो हमारी केयर करते है .. रोज सवेरे हमें उठाते है "

देखते है .. " **मेरे बच्चे सोये हुए तो नहीं है? उठा दूँ इन्हें** "

हम उठते है या नहीं? या करवटे बदलते रहते है? या कहते है .. " *बाबा, गुडमर्निंग .. थोड़ा और सोने दो*"

बाबा आकर हमें पढ़ाता है। किसी को स्वयं भगवान पढ़ाते, ज्ञान का सागर पढ़ाये, **त्रिकालदर्शी** पढ़ाये ...

और

स्वदर्शन चक्रधारी बना दे, दिव्य बुद्धि से सम्पन्न कर दे, सम्पूर्ण रहस्य खोल दे ... कितने भाग्यवान है वह

फिर **ब्रह्मा भोजन** खिलाते है, हमें सुलाते है, सारा दिन हम पर दृष्टि रखते है, हममें शक्तियाँ भरते है, माया से हमें सुरक्षित करते है, टाचिंग देकर।

यह प्रभु पालना **भाग्यवान** आत्माओं को प्राप्त हुई है। अब इसका फायदा उठाना है।

हम सोचेंगे के .... " हम इतने श्रेष्ठ भाग्य के धनी है ! .. हम क्या कर रहे है ? .. हमारे पास क्या है संसार को देने के लिए ? .. हम केवल लेने वाले नहीं ! "

तो हम इस **पुरुषोत्तम संगमयुग** का सम्पूर्ण फायदा उठाये। एक golden opportunity हमारे समक्ष खड़ी है।

.. जो चाहे ले लो .. ऐसा पूरे कल्प में कभी नहीं होता के ..

" भगवान से जो चाहे ले लो "

सम्पूर्ण भाग्य ले लो उनसे। जितनी चाहे, **जैसा चाहे भाग्य बना लो**, जन्म जन्म के लिए ताज और तिलक प्राप्त कर लो।

श्रेष्ठ बुद्धि, सफलता का, निर्विघ्न जीवन का, महान विचार उत्पन्न करने का, श्रेष्ठ चिंतक बनने का वरदान ले लो।

तो आइये हम सभी ब्राह्मण आत्मायें अपने ब्राह्मण परिवार और कुल के स्वमान में स्थित होकर बहुत रॉयल बने।

आज सारा दिन हम अभ्यास करेंगे →

" सर्वशक्तिमान परमधाम से धीरे-धीरे नीचे उतरते है और आ जाते है हमारे सिर के ऊपर ..

हमारे छत्रछाया बन गये

देखें नीचे ..

" मैं शिवशक्ति, मास्टर सर्वशक्तिमान .. और सिर के ऊपर बाबा, सर्वशक्तिमान "

यह हमारा कम्बाइण्ड रूप सबसे अधिक शक्तिशाली स्थिति है।

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org